मॉडल टेस्ट पेपर (
Enterpreneurship and Management (220)
class – EE (IInd year)

प्रश्न-1 : औद्योगिक इकाइयों की अस्थायी पंजीकरण की प्रक्रिया की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

Ans ① औद्योगिक इकाइयों की अस्थायी पंजीकरण की प्रक्रिया की प्रमुख विशेषताऐं निम्न हैं

(i) अस्थायी पंजीकरण के लिये पी. आर. सी के लिये आवेदन करना होता है

(ii) इसमें वस्तुओं के लिये आवेदन अनुसूची - III के अनुसार किया जाता है अनुसूची-I तथा II के अनुसार नहीं किया जाता है

(iii) यह पाँच साल के लिये वैध होता है पुन 5 साल के बाद आवेदन किया जा सकता है

प्रश्न -2 रीको द्वारा उद्योगों हेतु भूमि आवंटन के लिये आवेदन पत्र के साथ आवश्यक प्रमाण-पत्र कौन-कौन से है

Ans. रीको द्वारा उद्योगों हेतु भूमि आवंटन के लिये आवेदन प्रमाण पत्र निम्न हैं –

① अस्थायी पंजीयन प्रमाण पत्र।

② परियोजना। प्रतिवेदन प्रमाण पत्र।

③ उद्योगों के प्रस्तावित ले-आउट प्लान की प्रति।

④ फर्म का पंजीयन, Association of memorendum की प्रति।

लघु उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया के चरणों को विस्तार से समझाइये।

उ. उपक्रम के प्रारंभ होने से पहले तथा उपक्रम की स्थापना के दौरान तथा उपक्रम की स्थापना के पश्चात उठाये जाने वाले निम्न चरण है—

(i) उपक्रम के प्रारम्भ होने से पहले ⇒
(a) उद्योग के लिये प्रस्तावित क्षेत्र का चयन
(b) आवश्यक प्रशिक्षण
(c) उत्पाद का चयन
(d) बाजार सर्वेक्षण
(e) स्थान का चयन

(ii) उपक्रम की स्थापना के दौरान ⇒
(a) परियोजना प्रतिवेदन
(b) विद्युत / पानी Connection
(c) कार्यशील पूँजी का प्रबंधन

(iii) उपक्रम की स्थापना के पश्चात ⇒
(a) अन्य जानकारियाँ
(b) सहायता सुविधायें

1. उपक्रम के प्रारंभ होने के पहले ⇒
(a) उद्योग के लिये प्रस्तावित क्षेत्र का चयन ⇒ ऐसे क्षेत्र का चयन किया जाना चाहिये जिसमें अधिक से अधिक लाभ हो तथा चयन किया जाता है कि यह किस प्रकार की इकाई है

आवश्यक प्रशिक्षण ⇒ इसके पश्चात उद्यमी को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाता है।

(c) उत्पाद का चयन ⇒ ऐसे उत्पाद का चयन किया जाता है जिसके उत्पादन से अधिकतम लाभ हो।

(d) बाजार का सर्वेक्षण ⇒ उत्पाद के चयन के पश्चात चयन किया जाना चाहिये। कि उपयुक्त बाजार उपलब्ध है या नहीं।

(e) स्थान का चयन ⇒ उपयुक्त स्थान का चयन किया जाना चाहिये।

(i) उपक्रम की स्थापना के दौरान ⇒ उद्योग की स्थापना के दौरान विद्युत। पानी परिवहन की सुविधा की जानी चाहिये। और व्यक्तियों के लिये उपयुक्त पूंजी का प्रबन्ध होना चाहिए।

(ii) उपक्रम की स्थापना के पश्चात ⇒ उपक्रम की स्थापना के पश्चात अन्य जानकारियाँ व सहायक सुविधाएँ प्रदान की जा सकती है।

मॉडल टेस्ट पेपर

Entrepreneurship And Management (210)

Class - EE (IInd Year)

1. उद्यमिता को परिभाषित कीजिए एवं अच्छे उद्यमी के कोई दो आवश्यक लक्षण लिखिए।

उत्तर :- उत्पादन के लिए प्रमुख चार अंग हैं, श्रमिक, सामग्री, पूंजी, मशीनरी इनके अतिरिक्त पाँचवा महत्वपूर्ण अंग है अनिश्चयता वहन करना वह व्यक्ति के उत्पादन का भी संचालन करता है जिस पर पाँचवा अंग निर्भर करता है।

अच्छे उद्यमी के आवश्यक लक्षण -

(i) निर्माण लेने की पहल

(ii) सजगता

2. उत्पाद के आधार पर किन्हीं चार उद्योग के नाम लिखिए।

उत्तर :- पूंजी निवेश के आधार पर उद्योग -

(i) लघु उद्योग ⇒ ऐसे उद्योग जिनमें स्थिर परिसम्पतियों के रूप में संयंत्र व मशीन पर 25 लाख से अधिक पूंजी नहीं लगी है। अतिलघु उद्योग कहलाते हैं - हस्त औजार, खिलौने

(ii) अतिलघु ⇒ ऐसे उद्योग, जिनमें संयंत्र व मशीनरी पर लागत 1 करोड़ रु पे अधिक न हो। अतिलघु उद्योग कहलाते हैं। यह उद्योग हम अपने परिवार के सदस्यों के साथ चला सकते हैं।

जैसे :- कुटीर उद्योग।

3. उत्पाद के आधार पर किन्हीं चार उद्योगों के नाम लिखिए।

उत्तर :- उत्पाद के आधार पर चार उद्योग -

1) वस्त्र उद्योग

2) इलेक्ट्रानिक्स उद्योग

(iii) कागज उद्योग
(iv) परिवहन उद्योग

4. सेवा उद्योग किसे कहते हैं? किन्हीं चार के नाम लिखिए।

उत्तर :— कई सामाजिक और व्यक्तिगत कार्य भी सेवा उद्योग के रूप में लिए जाते हैं।—
जैसे — रोग निदान केन्द्र
केन्द्रीय व विभिन्न प्रकार की औद्योगिक सुविधाएँ
टीवी व घरेलू कार्य की मरम्मत करना, लेथ, शेपर आदि।

5. राजस्थान सरकार की नवीन औद्योगिक नीति से क्या अभिप्राय है? इसकी कोई चार प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

उत्तर :— राजस्थान सरकार की नवीन औद्योगिक नीति ⇒ राजस्थान सरकार ने 1994 में नूतन औद्योगिक नीति घोषणा की गई राज्य में नई औद्योगिक नीति लाने कारण यही रहा उद्योगपतियों को आधार भूत डाटा उपलब्ध करना ताकि उद्योग पतियां यहां आने में प्रेरित हैं। राजस्थान सरकार मानना है कि अब उद्योगपति प्रोत्साहन की बजाय आधार भूत सुविधाएं को अधिक महत्व देता है

1) निजी क्षेत्र को बढ़ावा ⇒ निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए आधारित सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक निम्नीय निति को अपनाया अब निजि क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र बनाये जा सकेंगे।

2) सम्प्रदाय स्वकृति ⇒ नई औद्योगिक नीति के प्रदायत्मक सरलीकरण के अनेक उपाय हैं सभी स्वकृति सम्ताप प्रदान करती है।

3) क्षेत्र निरीक्षण ⇒ श्रम कानूनों के अंतर्गत होने वाले निरीक्षण की निरीक्षण संख्या से कमी की गई एवं निरीक्षणों को अधिक व्यवहारिक बनाया गया।

कुछ उद्योगों के विकास पर विशेष बल ⇒ चर्म उद्योग, व सिरेमिक उद्योग) आदि को अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया है।